पंजीकरण फॉर्म

गुरुग्राम विश्वविद्यालय

एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी संगोष्ठी

दिनांक : 6 दिसम्बर 2019

विषय : वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद् गीता का दृष्टिकोण और हिन्दी।

प्रतिभागी का नाम.....

अध्यापक/शोधार्थी/विद्यार्थी.....

संस्था/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय.....

.....

निवास का पता.....

.....

मोबाइल नं..... पंजीकरण शुल्क : रु (.....)

ईमेल जो प्रयोग में है .....

आलेख का विषय (यदि आप ने दिया हो).....

.....

(आलेख न दिए जाने की स्थिति में प्रतिभागी को केवल सहभागिता प्रमाण पत्र ही प्रदान किया जायेगा। आलेख की मूल प्रति और सी. डी. पंजीकरण डेस्क पर ही उपलब्ध कराएं। अगर प्रतिभागियों ने ईमेल से आलेख भेज दिया हो तो उनको सीडी देने की जरूरत नहीं है। अगर आप आईएसबीएन नं. के साथ आलेख पब्लिकेशन करवाना चाहते हो तो .....(हाँ).....(ना).....

.....

हस्ताक्षर

जरूरी सूचना

जो भी साहित्यकार लेखक, शिक्षक इत्यादि इस संगोष्ठी में भाग लेना चाहते हैं तो वह अपनी अग्रिम सूचना एवं शोध पत्र को ईमेल पर अपने पूर्ण परिचय सहित समय पर भेज दें, ताकि प्रबंधन में सुविधा हो सके। संगोष्ठी के विषय सम्बन्धित सभी जानकारी के लिए सम्पर्क करे:

डॉ. भारती शर्मा (8700188196), **डॉ. शिवकान्त शर्मा** (9215511554)

E-mail : geetaconferencegug@gmail.com

आभार : संगोष्ठी संयोजक गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम

आयोजन समिति

संरक्षक
डॉ. मार्कण्डेय आहूजा
माननीय कुलपति
गुरुग्राम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम

सह-संरक्षक
डॉ. कामराज संधु

सलाहकार समिति
प्रो. एम.एस. तुरान
प्रो. धीरेन्द्र कौशिक
प्रो. बद्दरूदीन
डॉ. अशोक खन्ना
डॉ. गुंजन मलिक

अध्यक्ष
डॉ. अमन वशिष्ठ

उपाध्यक्ष
डॉ. नवीन गोयल
डॉ. वंदना हाण्डा

संगोष्ठी सचिव
डॉ. भारती शर्मा

संगोष्ठी सह-सचिव
डॉ. शिवकान्त शर्मा
डॉ. तरुण ढूल
फ़लक खन्ना

कोषाध्यक्ष
डॉ. नीलम वशिष्ठ

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

स्वामी गीतानन्द गीता अध्ययन एवं शोध केन्द्र, गुरुग्राम विश्वविद्यालय गुरुग्राम, जीओ गीता, ग्लोबल हिंदी साहित्य शोध संस्थान भारत, एवं विश्व हिंदी साहित्य संस्थान कनाडा

के संयुक्त तत्वावधान में

मुख्य विषय-वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद् गीता का दृष्टिकोण और हिंदी

एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

6 दिसम्बर 2019

आयोजन स्थल

गुरुग्राम विश्वविद्यालय

सैक्टर-51, गुरुग्राम

Ph.: 8708592400, 8700188196

E-mail : geetaconferencegug@gmail.com

गुरुग्राम विश्वविद्यालय : एक परिचय

गुरु द्रोणाचार्य की पावन भूमि गुरुग्राम में हरियाणा सरकार ने हरियाणा अधिनियम 17 (2017) के अन्तर्गत गुरुग्राम विश्वविद्यालय बनाने का प्रस्ताव पास किया गया। जिसके बाद जून 2018 में राव तुलाराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स एवं साईंस, गुरुग्राम के परिसर में गुरुग्राम विश्वविद्यालय शुरू किया गया। यह विश्वविद्यालय सैक्टर-51 में करीब 12 एकड़ में फैला हुआ है। ऊँची-ऊँची इमारतों के बीच हरा-भरा परिसर सौन्दर्यता व स्वच्छता के साथ-साथ शांति का भी परिचय देता है। विश्वविद्यालय में आधुनिक कक्षाओं से लेकर आन्तरिक एवं बाह्य खेल, पुस्तकालय एवं आधुनिक प्रयोगशालाओं तक हर तरह की सुविधा मौजूद है। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति माननीय डॉ. मार्कण्डेय आहूजा जी ने कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय समझौते पर हस्ताक्षर कर विश्वविद्यालय को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई है।

विश्वविद्यालय का उद्देश्य **'विद्या जीवनाय न तू जीविकाय'** है। गुरुग्राम विश्वविद्यालय द्वारा 2019-20 सत्र में 18 पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। वहीं सेक्टर-87 में गुरुग्राम विश्वविद्यालय की भव्य इमारत का निर्माण कार्य चल रहा है जिसे जल्द ही पूरा कर दिया जाएगा

स्वामी गीतानन्द गीता अध्ययन एवं शोध केन्द्र

'जीओ गीता' पिछले कई वर्षों से विद्यालयों-महाविद्यालयों के छात्रों को एवं नेत्रहीन विद्यालयों और जेलों में भी श्रीमद्भगवद् गीता से जोड़कर उनके जीवन की निराशाओं को कम करते हुए भीतर के विश्वास को जाग्रत करने के लिए सतत प्रयासरत है। इसी प्रयास में एक कदम गुरुग्राम विश्वविद्यालय के परिसर में स्वामी गीतानन्द गीता अध्ययन एवं शोध केंद्र की स्थापना है। इसका मुख्य प्रयास हर घर तक गीता का संदेश, उसकी उपयोगिता को पहुंचाना है।

ग्लोबल हिन्दी साहित्य शोध संस्थान : एक परिचय

ग्लोबल हिन्दी साहित्य शोध संस्थान की स्थापना डॉ. कामराज सन्धु 'गुरुजी' द्वारा 2017 में हुई। यह संस्थान भारत में न्याय पंजीयन अधिनियम के अन्तर्गत एक पंजीकृत संस्थान है जिसका उद्देश्य भारत वर्ष में ही नहीं अपितु विश्व में हिन्दी को अलग पहचान दिलवाना है। अल्प अवधि में ही संस्थान भारत वर्ष के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देशों में अपनी पहचान बना चुका है। भाषा, संस्कृति एवं भाषा के विकास सम्बन्धित सम्मेलन, परिचर्चा, संवाद आदि का आयोजन कर चुका है।

विश्व हिंदी साहित्य संस्थान, कनाडा : एक परिचय

विश्व हिंदी संस्थान, कनाडा में एक हिन्दीसेवी संस्था है जिसका मूल उद्देष्य संपूर्ण विश्व में हिंदी व भारतीय भाषाओं का प्रचार-प्रसार एवं विकास करना है। अपने वैश्विक प्रयासों के आधार पर संयुक्त राष्ट्र संघ में हिंदी को मान्यता दिलवाना ही इस संस्था का परम उद्देश्य है। इस संस्थान की ओर से हर वर्ष अंतर्राष्ट्रीय विश्व हिंदी सम्मेलन भी आयोजित कराये जाते हैं। विश्व हिंदी संस्थान कनाडा के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. सरन घई हैं।

संगोष्ठी का लक्ष्य :

यह सर्वविदित तथ्य है कि हिन्दी का विस्तार एवं प्रचार आज वैश्विक स्तर पर हो रहा है। हिन्दी पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक निरंतर ऊँचाइयों को स्पर्श कर रही है, नि:संदेह आकाशवाणी, दूरदर्शन, पत्रकारिता एवं जनसंचार, फिल्म एवं दैनिक मासिक, वार्षिक पत्र-पत्रिकाएं इत्यादि हिन्दी के विस्तार को नवीन आयाम प्रदान कर रही हैं। राज भाषा होने के साथ-साथ हिन्दी राष्ट्रभाषा की ओर भी अग्रसर हो रही है। प्रमाण -पत्रों की प्राप्ति का लक्ष्य तो हम सब से छिपा नहीं है, अत: इस संगोष्ठी का प्रमुख लक्ष्य विस्तार के साथ-साथ उन चुनौतियों की ओर संकेत करना है जो इन सब तामझाम और प्रयासों के बावजूद आज इक्कसवीं सदी में भी हमारे सामने अधिक नहीं तो कुछ कम भी नहीं है, लगभग वैसे ही खड़ी है जैसे की वे बीसवीं सदी में थी। अत: हमें विशेष आवश्यकता है कि हम अपनी मातृभाषा के विस्तार के साथ-साथ सबल और स्वावलम्बी बनाने का जीवन में प्रयास करें।

संगोष्ठी विषय :

मुख्य विषय-वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद् गीता का दृष्टिकोण और हिंदी

संगोष्ठी के उप-विषय :

- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता का नैतिक दृष्टिकोण।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में विद्वानों का दार्शनिक चिन्तन।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में लोकमंगल की भावना और हिंदी।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में धार्मिक दृष्टिकोण
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में सामाजिक समरसता और संस्कारों का चित्रण।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में युद्ध और शांति का संदेश।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता का योगदान
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में अहिंसा की अवधारणा।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में कर्मयोग, ज्ञानयोग और भक्ति योग का चित्रण व हिंदी का दृष्टिकोण।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में विज्ञान और मनोविज्ञान का दृष्टिकोण।
- वैश्विक मानवता के संदर्भ में श्रीमद्भागवद गीता में जीवन प्रबंधन व सामाजिक मूल्यों का चित्रण।
- श्री कृष्ण एक योगी, महापुरुष, अवतार या ईश्वर श्रीमद्भागवद गीता के संदर्भ में।

शोध पत्र के लिए आवश्यक नियमः

- संगोष्ठी में सभी शिक्षक, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता, शोधार्थी, छात्र आदि के शोध पत्र सादर आमन्त्रित हैं।
- शोध पत्र 3000 से 5000 शब्दों में एवं शोध पत्र का सार 300 शब्दों में एम.एस वर्ड सॉफ्टवेयर में अथवा हिन्दी फोण्ट करूति देव 10 एवं मंगल यूनिकोट, फोण्ट साइज 12 तथा अंग्रेजी फोण्ट टाईमस न्यू रोमण, फोण्ट साइज 12 एवं लाईन स्पेशिंग 1.5 में करीब भेजने की कृपा करें।
- समयानुसार शोध पत्रों का वाचन किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां

शोध पत्र का सार	-	**12 नवम्बर 2019 तक**
पूर्ण शोध पत्र की प्रस्तुति	-	**16 नवम्बर 2019**

पंजीकरण का विवरण :

प्रत्येक प्रतिभागी को दिनांक 6 दिसम्बर 2019 को प्रात: 9.00 बजे से नीचे वर्णित पंजीकरण शुल्क के साथ मौके पर ही पंजीकरण फार्म भर कर स्वयं को रजिस्टर करना है।

शुल्क विवरण

शोधार्थी/छात्र	-	₹300/-
संकाय/शिक्षाविद्	-	₹500/-

नोट : प्रत्येक प्रतिभागी अपने पैतृक संस्थान से टी.ए./ डी.ए. प्राप्त करें।